

IFTM University, Moradabad

School of Agricultural Sciences and Engineering

(SASE)

Organized

NATIONAL WEBINAR

December 18, 2020

IFTM UNIVERSITY, MORADABAD
School of Agricultural Sciences & Engineering
Organizing a
WEBINAR
ON
Indian Agriculture: From Green Revolution to Evergreen Revolution
On
December 18, 2020
At **03:00 PM to 04:00 PM**

Speaker
Dr. Roaf Ahmad Parray
Scientist, ICAR-IARI,
New Delhi

Patron
Prof. M. P. Pandey
Hon'ble Vice Chancellor
IFTM University, Moradabad

Co-Convener Convener Organizing Secretary Co-Chairman Chairman
Mr. Abhay Saini Dr. Ramesh Pal Mrs. Richa Khanna Dr. Krishan Pal Dr. Virendra Singh

Link for Registration: <https://bit.ly/34j0g5c>

Indian Agriculture: From Green Revolution to Evergreen Revolution

A national webinar was organized by School of Agricultural Sciences and Engineering (SASE) on the topic- "Indian Agriculture: From Green Revolution to Evergreen Revolution". Dr. Rauf Ahmad Parray, Scientist, ICAR-IARI, New Delhi was the invited speaker of the event. Dr. Parray has given a fruitful lecture on the impact of green revolution on agriculture and to convert it into evergreen revolution so that holistic

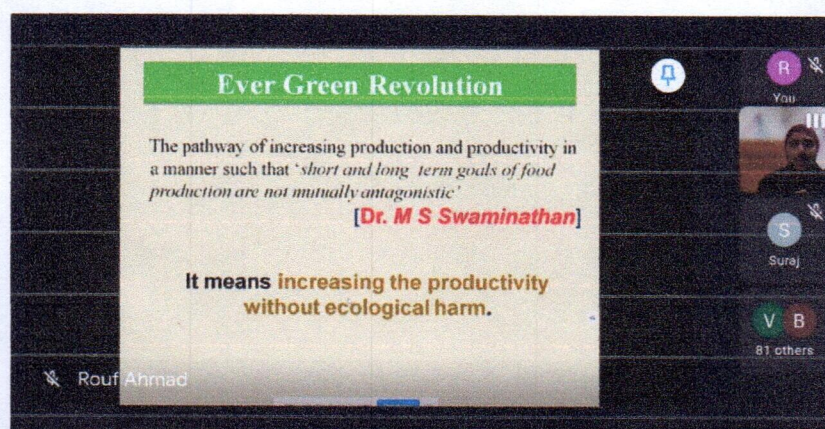
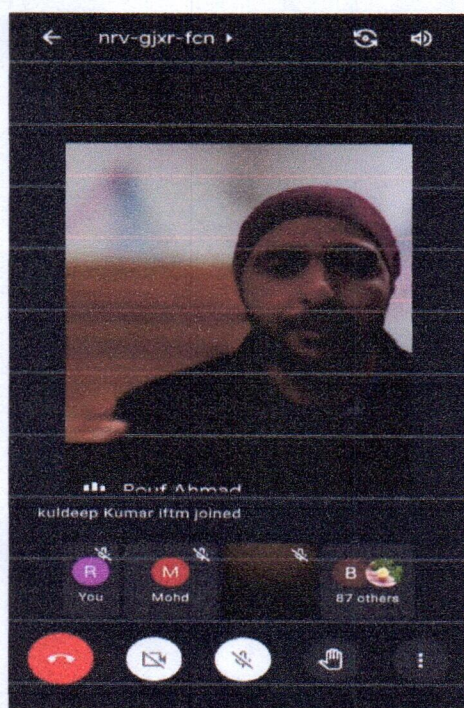
Sanjeev Agrawal
Registrar
IFTM University
Moradabad.

development can be achieved in agriculture. Honorable Vice Chancellor Prof. M.P. Pandey stated that it is very important to revolutionize the agriculture sector in every aspect, and then only we can achieve the goal of obtaining food security. Registrar, Prof. Sanjeev Agarwal said that overall agricultural development will also bring prosperity to the farmers. He also appreciated the speaker and efforts of SASE in organizing this event.

Outcome

Students will be able to understand that why there was a need to shift from green revolution to evergreen revolution and how it became possible?

Few Glimpses



Sanjeev Agarwal
Registrar
IFTM University
Moradabad.

THE LIMITS OF SUCCESS

India's agricultural sector is growing but much slower than the rest of the economy.

Although largely self-sufficient in food production, India still needs to import edible oil every year.

Green Revolution has not reach large parts of the country, especially dry land areas, where poverty incidence and farming risk tend to be high.

CR also involved environmental costs: Unsustainable ground water extraction, fertilizers run off, pesticide residues and salinization.

Rouf Ahmad

Mexican Wheat

- Norman Borlaug working at CIMMYT, Mexico got Norin 10-Brevor hybrid lines from Vogel
 - 1st few crosses with elite Mexican lines – not successful due to rust
 - Successful crosses showed sterile florets, shriveled grains, poor quality & susceptibility to rust
 - Sustained efforts for next 6 yrs- winter & spring gene pools different & showed considerable genetic divergence
 - Now Borlaug had Norin 10 in spring wheat background

• Pinar 62	• Inia 66
• Pansamo 62	• Tobari 66
• Sonora 63	• Cano 67
• Sonora 66	• Hartono 67
• Alcala 68	• Caracal 68
• Lerma Ropa 64 @ 1966	

Rouf Ahmad

News Coverage

शाह टाइम्स व्यू
मुख्य संपादक, अंगुलवादा, 22 दिसम्बर 2020

आईएफटीएम में हरित क्रांति के साथ सदाबहार क्रांति की आवश्यकता क्यों? विषय पर हुआ वेबिनार का आयोजन

शाह टाइम्स व्यू
मुख्य संपादक: भारत एक कृषि प्रधान देश है, देश की लगभग 58 प्रतिशत जनसंख्या कृषि पर निर्भर है। बढ़ती जनसंख्या और खातावरण में हो रहे विभिन्न बदलाव को खड़ा से हरित क्रांति के साथ-साथ सदाबहार क्रांति को भी आवश्यकता है। इसी परिप्रेक्ष्य में आईएफटीएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एग्रोकल्चरल साइंस में एक इंवीर्योनिंग द्वारा 'हरित क्रांति के साथ सदाबहार क्रांति की ओर' की आवश्यकता पर वेबिनार का आयोजन कराया गया। आई.सी.ए.आर., आई.ए.आर.आई. के वैज्ञानिक डॉ। रमेश अहिराद पर ने वेबिनार के मुख्य वक्ता के रूप में हरित क्रांति के साथ-साथ सदाबहार क्रांति की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि आज की दुनिया उन्मत्त तकनीक, सुदूर विचार प्रविष्टता, उन्मत्त योजों व उर्वरक के प्रयोग पर निर्भर है, जो कि हरित क्रांति द्वारा ही संभव हो पाया है। यह हरित क्रांति का ही परिणाम है कि भारत खाद्यान्नों के क्षेत्र में पूर्णतया आत्मनिर्भर बन गया है, किन्तु घटते जलस्तर, जल एवं जल प्रदूषण तथा भूमि की सूखता की समस्या का देखते हुए आज सदाबहार क्रांति की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी बताया कि हमें इसी नई तकनीकों अपनानी चाहिए जिससे खातावरण को क्षति न पहुँचे तथा उपलब्ध संसाधनों की संरक्षण से हम अधिक से अधिक उत्पादन ले सकें। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलासचिव श्री संजय अग्रवाल ने वेबिनार आयोजन के लिए आयोजकों को सभारना करने हुए बधाई दी व कहा कि कृषि विकास में नवीनतम तकनीकों के प्रयोग एवं प्रसार हेतु हमें ऐसे वेबिनार करने की आवश्यकता है। उन्होंने कृषि संबंधित नवीनतम जानकारी हेतु आम भी ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करने के लिए प्रेरित किया। स्कूल के निदेशक डॉ। वीरेंद्र सिंह ने मुख्य वक्ता एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। स्कूल के अपर निदेशक श्री क.क. खेतन ने जानकारी हेतु बताया कि वेबिनार में 143 शिक्षकों, स्टाफों एवं विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया था। इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु स्कूल के विभागाध्यक्ष डॉ। कृष्णपाल जो विशेष योगदान रहा। वेबिनार के समन्वयक अमिष्येंट प्रोफेसर डॉ। रमेश ताल ने मुख्य वक्ता एवं प्रतिभागियों का धन्यवाद जताते हुए आभार प्रकट किया। वेबिनार को आयोजन संचालित अमिष्येंट प्रोफेसर अमिता रिधा खन्ना ने कार्यक्रम का आयोजन किया तथा कार्यक्रम के यह समन्वयक अमिष्येंट प्रोफेसर श्री अश्वय मीनी ने तकनीकी सहायता व कार्यक्रम को सफल बनाया।

Sanjay Agrawal
Registrar
IFTM University
Moradabad.

